

## ဗဝိဏ္ဏာမာလာငွေ နာဗိဗာဏာဝေဏာ ဝုဏ္ဏာမာလာ နာဗိဗာဏာ ကုမာဏာ?

विज्ञान एक सामान्य वंश से विकास की अवधारणा पर ठोस सबूत प्रदान करता है, जिसका जिक्र पवित्र कुरआन ने किया है।

"और हमने पानी से हर जीवित चीज़ बनाई है। क्या वे ईमान नहीं लाते?" [111] अल्लाह तआला फ़रमाता है :

[सूरा अल-अंबिया : 30] सर्वशक्तिमान ईश्वर ने जीवित प्राणियों को बुद्धिमान और फितरी तौर पर ऐसा बनाया है कि वे अपने आसपास के वातावरण के अनुकूल हों। वे आकार, शकल या लंबाई में विकसित हो सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, अन्य देशों के विपरीत ठंडे देशों में भेड़ों का एक विशिष्ट आकार और खाल होती है, जो उन्हें ठंड से बचाती है। हवा के तापमान के अनुसार ऊन बढ़ता या घटता है। पर्यावरण के अनुसार आकार और प्रकार भिन्न होते हैं। यहाँ तक कि मनुष्य भी अपने रंग, गुण, भाषा और आकार में भिन्न होते हैं कि कोई भी मनुष्य दूसरे जैसा नहीं है। परन्तु, वे मनुष्य ही रहते हैं, दूसरे प्रकार के पशु में परिवर्तित नहीं होते हैं।

"और उसकी निशानियों में से आसमानों और ज़मीन को पैदा करना और तुम्हारी भाषाओं और रंगों का अलग-अलग होना भी है। नि :संदेह इसमें जानने वालों के लिए निशानियाँ मौजूद हैं।" [112]

"अल्लाह ही ने प्रत्येक जीवधारी को पानी से पैदा किया है। तो उनमें से कुछ अपने पेट के बल चलते हैं, और कुछ दो पैर पर तथा कुछ चार पैर पर चलते हैं। अल्लाह जो चाहे, पैदा करता है। वास्तव में, अल्लाह हर चीज़ पर क़ादिर है।" [113]

[सूरा अल-रूम : 22] [सूरा अल-नूर : 45]

विकासवाद का सिद्धांत, जिसका उद्देश्य एक निर्माता के अस्तित्व को नकारना है, यह सभी जीवित चीज़ों, जानवरों और पौधों की उत्पत्ति के सामान्य स्रोत के बारे में बताता है। यह बताता है कि वे एक ही पूर्वज यानी एकल-कोशिका वाले जीव से विकसित हुए हैं। उसके अनुसार पहली कोशिका का निर्माण पानी में अमीनो एसिड के संयोजन का परिणाम था, जिसने बदले में डीएनए की पहली संरचना बनाई, जो एक जीव के आनुवंशिक लक्षणों को वहन करता है। इन अमीनो एसिड के संयोजन से, जीवित कोशिका का पहला ढांचा बनाया गया था। विभिन्न पर्यावरणीय और बाहरी कारकों के परिणामस्वरूप इन कोशिकाओं का प्रसार हुआ, जिसने पहले शुक्राणु का निर्माण किया, फिर जोंक में विकसित हुआ और फिर भ्रूण में विकसित हुआ।

जैसा कि हम यहां देख रहे हैं, ये चरण मां के गर्भ में मानव निर्माण के चरणों से बहुत मिलते हैं।

हालाँकि, जीवित जीव इस बिंदु पर बढ़ना बंद कर देते हैं। डीएनए में रखी गई आनुवंशिक विशेषताओं के अनुसार एक जीव का निर्माण होता है। उदाहरण के तौर पर मेंढक अपना विकास पूरा

